# उत्पादन खर्च बढ़ने से कोरूगेटेड बॉक्स उद्योग मुश्किल में

**एजेंसी, नवज्योति/मुंबई।** पिछले 2 महीने में क्राफ्ट पेपर मिलों द्वारा निरंतर भाव वृद्धि किए जाने से और दुसरी ओर अन्य कन्वर्जन इनपुट कास्ट बढ़ने से भारत का कोरूगेटेड बॉक्स उद्योग मुश्किल में आ गया है। देसी और आयातित वेस्ट पेपर का भाव पिछले 2 महीने में प्रति मेट्रिक टन 4500 से 5000 तक बढ़ गया। दूसरे भारत और चीन के उत्पादक यूएसए और यूरोप से वेस्ट पेपर का आयात करते हैं लेकिन लॉकडाउन में उत्पादन बंद रहने से इस समय वेस्ट पेपर की आपूर्ति की तुलना में मांग अधिक है। दूसरे विदेशी बाजारों में वेस्ट पेपर और फिनिश्ड प्रोडक्ट कि जो कुछ भी आपूर्ति उपलब्ध थी, वह चाइनीज मिलों ने खरीद ली है। क्राफ्ट पेपर मिलों ने बताया कि चाइनीस बेन के बावजूद भी वेस्ट कटिंग भाव अनिश्चित अवधि तक ऊंचा रहेगा। कोविड-19 लॉकडाउन अवधि में भारतीय पेपर मिलों द्वारा पर्याप्त माल आयात ना कर सकने के कारण इस समय जरूरी ग्रेड का माल यहां कम है और कुछ नीचले ग्रेड की यहां तंगी है। भारत के 350 से अधिक ऑटोमेटिक कोरूगेटर और 10,000 से अधिक सेमी ऑटोमेटिक युनिटें कोविड-19 के कारण भारी परेशानी अनुभव कर रही हैं, यह उद्योग 6 लाख से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान करता है।